2022

(February)

HINDI

(Honours)

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,
बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह—यह हरनेत्र निहारो!
रूप-दर्प कन्दर्प, तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,
लो, यह मेरी चरण-धूलि उस रति के सिर पर धारो!

(ख) जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति-सी छायी,
दुर्दिन में आँसू बन कर
वह आज बरसने आयी।

(ग) हमारी हार का बदला चुकाने आयेगा
संकल्प-धर्मा चेतना का रक्तप्लावित स्वर,
हमारे ही हृदय का गुप्त स्वर्णाक्षर
प्रकट होकर विकट हो जायेगा।

(घ) लोकतंत्र को जूते की तरह
लाठी में लटकाये
भागे जा रहे हैं सभी
सीना फुलाये।
हवा को उनके साथ मिलकर
गाना हो गाये,

(ङ) हम सबके दामन पर दाग
हम सबकी आत्मा में झूठ
हम सबके माथे पर शर्म,
हम सबके हाथों में टूटी तलवारों की मूठ।

2. 'साकेत' के नवम सर्ग के पठित अंश का काव्य-सौन्दर्य निरूपित कीजिए। 15

अथवा

हिन्दी खड़ी बोली काव्य के विकास में मैथिलीशरण गुप्त के अवदानों का आरेखन कीजिए।

3. 'आँसू' की वैचारिक भावभूमि पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'आँसू' की काव्यभाषा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. नागार्जुन के काव्य का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए। 15

अथवा

धर्मवीर भारती रचित 'गैरिक वाणी' कविता का भाव-सौन्दर्य प्रकट कीजिए।

5. 'यह खिड़की' कविता के माध्यम से सर्वेश्वर दयाल सक्सेना क्या संदेश देना चाहते हैं? 15

अथवा

'बिना नाम की नदी' नामक कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

★ ★ ★